gether and discuss it and it will be seen how in the old emergency style, under the present regime, Samachar is being utilised. Sir, is it to be exceeded? Almost all the RSS people have become Samachar men today, the reporters, the newspaper editors, and so on. This is not accidental. Therefore, Mr. Advani, you know very well and from these benches you have to decide. There is a saying: Whoever goes to Ceylon—Lanka—becomes something. I do not know what it becomes. Now here you are repeating the same thing. Mr. Shukla exactly used to say in the same way; "How is the Government involved." The men who are sitting there. Agarwala and others, are using your name and authority. You may or may not know: I do not know. Therefore, you are directly involved; the Government is directly involved. The matter should be gone into and discussed threadbare in other to eliminate this thing: You can take the co-operation of the journalists, if you like, in this matter. let us do it in a proper way.

—

REFERENCE TO HARASSMENT OF MEDICAL STUDENTS IN BIHAR

श्री भीष्म नारायण सिंह (बिहार) : उपसभापति महोदय, आज मुझे एक मेमोरेन्डम की प्रतिलिपि मिली है जो कि गृह मंत्री जी को एड्रेस की हुई है। इसका विषय है—

> 'Memorandum in connection with the harassment of medical students in Bihar'

महाशय, इसमें कई गम्भीर बातें लिखी हुई हैं। यह बात सही है कि बिहार में पिछले 10 दिनों से जो हड़ताल चल रही है उसके संबंध में वहां पर जो चार बड़े-बड़े मेडिकल कालेज हैं—पटना, रांची, भागलपुर और दरभंगा—इनमें बहुत बड़े पैमाने पर मेडिकल स्टूडेन्ट्स और जूनियर डाक्टरों की एरेस्ट हुई है। इनकी संख्या एक हजार से भी ज्यादा होगी और जैसा कि मुझे बताया गया है कि दरभंगा में तो लाठी चार्ज भी हुआ है। ऐसी स्थिति में एक तरफ तो स्टूडेन्ट्स को एरेस्ट किया जा रहा है और दूसरी तरफ लाखों लोग जो अस्पतालों में दवा लेने के लिए जाते हैं उनको दवाओं से वंचित होना पड़ता है। इस प्रकार की स्थिति के कारण बिहार में एक प्रकार से त्राहि-त्राहि मची हुई है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल है। मैं ऐसा मानता हूं कि वहां की जनता पार्टी की सरकार की गलत बातों के कारण और यहां की जनता पार्टी की सरकार की गलत नीतियों के कारण इस तरह का अंजाम हुआ है। इस समस्या का समाधान नहीं निकाला जा रहा है और इसका परिणाम यह हो रहा है कि वहां पर आतंक का वातावरण बन गया है। गृह मंत्री जी यहां पर उपस्थित है। स्वास्थ्य मंत्री जी अभी चले गये हैं। मैं सरकार का ध्यान इस समस्या की ओर आकृषित करना चाहता हूं और यह निवेदन करना चाहता हूं कि इस समस्या का निदान निकालने के लिए सरकार की तरफ से क्या कार्यवाही की जा रही है उससे इस सदन को अवगत कराया जाय ताकि इन कालेजों के छात्रों को राहत मिल सके और साथ-साथ बिहार की जनता को भी राहत मिल सके।

—

STATEMENT BY MINISTER RESIGNATION OF JUSTICE MATHUR AS COMMISSION OF INQUIRY INTO THE AFFAIRS OF MARUTI CONCERNS

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI CHARAN SINGH): Mr. Deputy Chairman, Sir, my attention has been drawn to certain observations made by some Members regarding the resignation of Justice D. S. Mathur as the Commission of Inquiry into the affairs of the Maruti group of concerns.

It is not correct to say that any documents required by the Commission were withheld by the Ministry